चन्द्रहास

विधि-विधान कभी टलता नहीं,
    हठ किसी जन का चलता नहीं।
नियति ने वह योग मिला दिया—
    कि जिसने 'विष' का 'विषया' किया!

मैथिलीशरण गुप्त